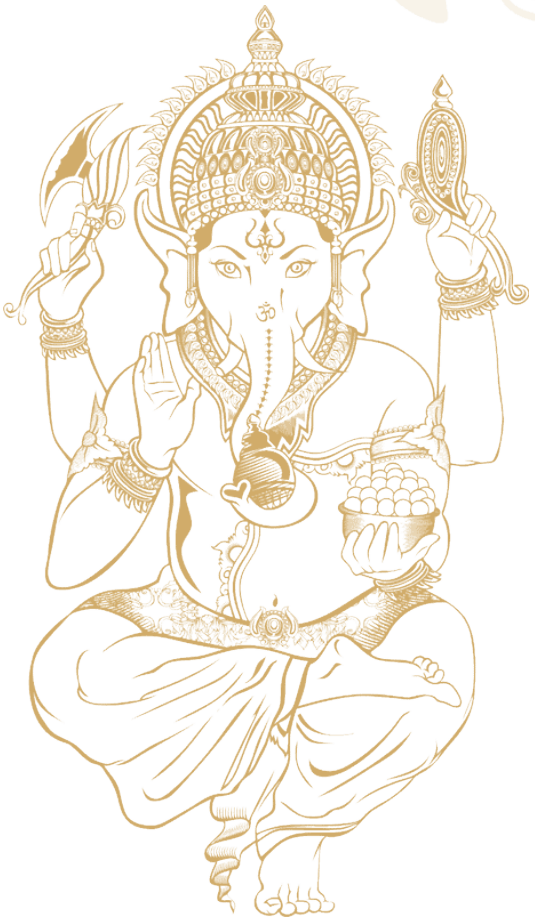

Mr.sanjay tiwari

Ms.nidhi tiwari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120024802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/2000	जन्म तिथि	10/03/2002
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	14:45:00 घंटे
घटी 17:46:36	जन्म समय(घटी)	22:14:51 घटी
India	देश	India
Gangtok	स्थान	Murshidabad
27:20:00 उत्तर	अक्षांश	24:11:00 उत्तर
88:39:00 पूर्व	रेखांश	88:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:36	स्थानिक संस्कार	00:23:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:21	सूर्योदय	05:51:20
17:01:45	सूर्यास्त	17:43:13
23:51:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 0वर्ष 5मा 22दि	09:50:10	मक	लग्न	कर्क	16:46:42	चन्द्र 5वर्ष 11मा 29दि
बुध	03:20:10	तुला	सूर्य	कुंभ	25:44:07	राहु
12/04/2020	02:56:07	कर्क	चंद्र	मक	15:20:14	09/03/2015
13/04/2037	26:59:06	सिंह	मंगल	मेष	12:18:09	09/03/2033
बुध 09/09/2022	21:44:12	तुला व	बुध	कुंभ	03:43:07	राहु 19/11/2017
केतु 06/09/2023	16:39:14	वृष व	गुरु	मिथु	11:51:58	गुरु 14/04/2020
शुक्र 07/07/2026	07:23:54	वृश्चि	शुक्र	मीन	08:59:51	शनि 19/02/2023
सूर्य 13/05/2027	05:53:09	वृष व	शनि	वृष	14:59:56	बुध 07/09/2025
चन्द्र 12/10/2028	25:28:57	मिथु	राहु व	वृष	29:16:57	केतु 26/09/2026
मंगल 09/10/2029	25:28:57	धनु	केतु व	वृश्चि	29:16:57	शुक्र 26/09/2029
राहु 27/04/2032	23:02:54	मक व	हर्ष	कुंभ	02:20:03	सूर्य 20/08/2030
गुरु 03/08/2034	09:55:59	मक	नेप	मक	16:01:54	चन्द्र 19/02/2032
शनि 13/04/2037	17:15:07	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:42:59	मंगल 09/03/2033

लग्न-चलित

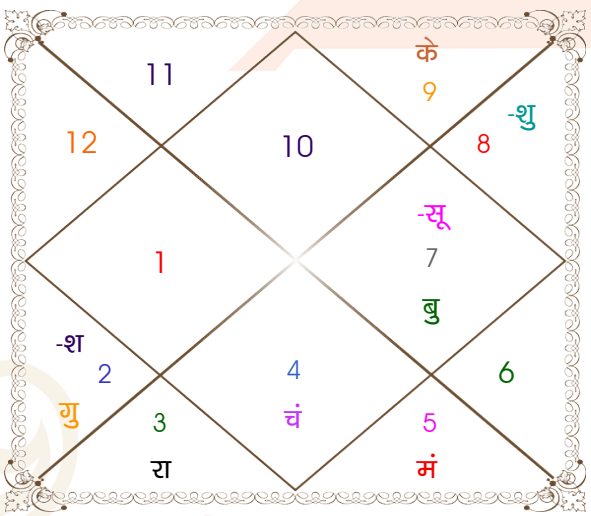

लग्न-चलित

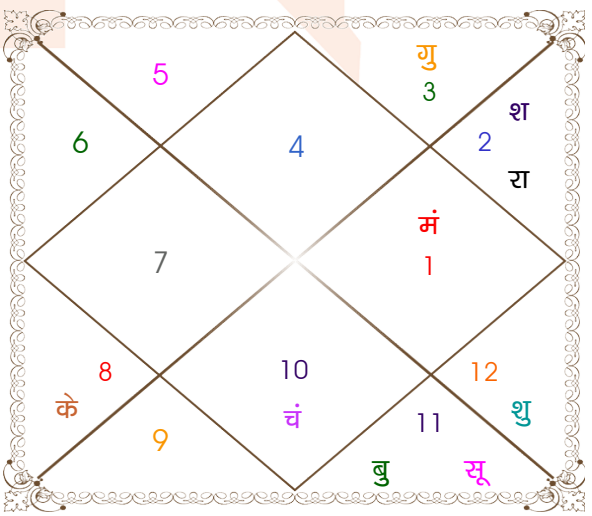

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतर्ण्ेदरंल जपूंतप का वर्ग मेष है तथा डेण्दपकीप जपूंतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्ण्ेदरंल जपूंतप और डेण्दपकीप जपूंतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्ण्ेदरंल जपूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण्दपकीप जपूंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्दपकीप जपूंतप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्ण्ेदरंल जपूंतप तथा डेण्दपकीप जपूंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।